

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ १ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ २ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ६ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ८ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ९ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ १० ॥

सुत्रिवा १ नमामि ताव कृत्रि (श ४४) श्री लं ॥ प्रागं तं त्रवि ।
तालज नि ॥ मधमं त्रमहाति कतक प्राजितं य वे विदं कं
वाधियं १ अयत्र (गं) वाय निठु कं त्र वन यं कं वं कं य
जिन वा यि यात्र ॥ ५० ॥ तं मा मि मय वं वृध विष्य ४२ विष्य
विष्य जित विष्य हतय कं मय नि १ अय दियान या
परुक्ति यत्रि मा नसा रुकुतय निमित्त यन धातु स्रुय ॥ ५१ ॥

मान वद नस्य या उय दिय जाड यदी य जा नु दानं १ ४४
गम जाड यदी य वी विदि ग र व न वाड यदी य धी श्र
मुयत्र ४५ ॥ ५२ ॥ दिप्रद यया न यात्र धिप्र या किं य स
के अका दल व वियात्र १ अयत्राड दि वि सा य के य क
म नि के स म हा धि नि वि प्र वं द य नि ॥ ५३ ॥ गुत्र वत्र
ह नि वत्र स र ग नि य प्र ता व ना म नि क स म ड द य य

मयप्रियुजा श्यनवयप्रितायथिसकयप्रियुजिप्र नवस
वप्रस्यनुने ॥ १ ॥ प्रागयातममंति ॥ गालजति ॥ अति
ल अनलजलजानुवमाभ मप्रमलुलवकयाया १ व
जयजलजलजालसयप्र यप्रि १ हदिहप्रवदप्रयि
या ॥ ५ ॥ उमप्रकप्रयिया १ लुप्रकप्र १ अतिगनह
प्रवदप्रयिया १ वकवावाही अतिगतससप्रवदप्र

यिया ॥ ५ ॥ क गिसवीलविल श्वप्रजदिअहि १ हिनहि
अरुसम १ न १ अनरुत १ वजवाय १ वी सी
प्रतिवयनसकाव ॥ ५ ॥ गिरुवनन १ वक प्रायतनाला
गिरुवनन १ वक विप्रविप्रा १ गिरुवनन १ वक नवन
दयसाविप्र १ वयभाप्रगतनस काव ॥ ५ ॥ अहि निहाम
नगुप्र वायनुना गकादि गवातावा ताव १ अनामप्र

एतद्यथ न नकादि (ग) वा रुलिया म्पक काला ॥ १ ॥
वागललिन ॥ गालज नि ॥ अनरुप नथ ना वै का प्रता
व नत्त त्रय विलिन विविगु क न श १ डं आहं का प्रव
जामन मदेकै सक म (श) धिने ज्ञानामन मय ॥ २ ॥
व दामन मे स वा धि विरु ल दायकै स वै जिन वा यिन स रु न

कल श १ ज ग न म न (श) धिने इत ल क न (श) रु व सं सा
प्र ना स न विल क प्र य ॥ ३ ॥ व उ य प्र मा न म य ग ल्य म्प
म य के श अ (श) का यि न य वै यि य अ १ हं का प्र म क य
थ म ग व द न व उ स स्मा यित वि या के कल श ॥ ४ ॥ य न
म ल्य क न न य क प्र य ना व आ क द म द्या दि नि ज ल प्र
य १ म टि नि सा ध न व द व ना व के ज्ञान स त्व मा नि

हृदि ज। की प्रदी ॥ ४४ ॥ या यादि मावन दात यव शल
शमय चक्रीयव सित विमदकल श १ साया या गद विरु
य वाधिविरु प्रय समय सत्वज्ञान वकु मका रु ने ॥
४॥ ३ ॥ या ग नान ॥ प्रक व द्वा नि नि प्राय न स ॥ प्री १ ज
या द श न अ रु न नु कि प्र (६) ॥ ४५ ॥ नु द्वा द वी वा प्र नि
मा म की द वी १ ज ग न यु मा हा दि प्र मय न सूर्य (ग) ॥ ४६

॥ आ ग म व द य या न व द्वा न १ या ग व र्म दी या गु न
ड य द (४) ॥ ४७ ॥ य के व द्वा न म के यि स्र प्र य क नु के के १
म के अ या गि नि ली या रु प्र व रु प्र व ॥ ४८ ॥ स न गु प्र व
(६) शि प्र ग न व प्रिया १ न न यि वा क व ज स या स व स
प्र यी ॥ ४९ ॥ ना ग न व वी ॥ ना ल ज नि ॥ (ग) द द रु न के
न स्र प्र य १ य के मि या प्र स य के श म प्री रु जि या ॥ ५०

॥ तु क द व लि प्राय वि ह व न वि प्र १ वि प्र म स्ता य क स म य
 न न्द ॥ ५ ॥ वि प्र वि प्र ध्य प्र स क ज्ञा न न्द १ क प्र क म प्र म न
 ह य या न न्द ॥ ६ ॥ य क व द य क म (न्य ध प्र या १ द
 न वा स प्र न प्र यु म दि न डी दे या ॥ ५ ॥ ६ आ १ डी डी (म
 ध न क प्रि न १ उ म प्र र्थ १ ध नि वि प्र मा न न्द ॥ ॥
 ॥ १ ॥ ना ग म धू म न ॥ ना ल उ नि ॥ य री वा क वि द वी क प्र

व द वी द न नि १ स य प्र स प्र स प्र वं दि त प्र व न ॥ ५
 ॥ म र ग व नि या दू क म प्र म हि व नि त न ड प्र म न म
 का प्र का ल मा ल आ त प्र द वि रु वि त ना य प्र द ह ड ला
 १ वि नि वि नि वि न य वि न य नि नि न ॥ ५ ॥ क प्र नि र्व य
 प्र मू क मा न वि रु वि ना १ क (न्य ड व दार्ग धा प्र मू क क (६ ॥
 ॥ ५ ॥ सि प्र सि न्ध प्र या या व ना य स म प्र गी ता १ क रु वि क

थयत्रिभुवनगह्वरत्रिभुवन॥५॥वाधयत्रिविधयथाधरुल्लभ
॥नयनिदानयगिरिविद्वत्प्रभु॥५॥वृद्धगिर्यनम्रययः
दिभुक्तिगगननृद्धश्वाधवावितावनयोऽत्रियत्रिगमिद
नवकयननाहं॥३१॥वागना॥काशिवर्षधमव
त्रिवयीमा१५॥नृद्धनृद्धचिनुवनलिना॥५॥अनृतमरु
जिज्ञासायकयया१५॥चिनुवनलिनिदिदिवादिपुष्पा

द ॥ **क** ॥ गंगाजमुना नुदू रु नि १ सा विवत्र विडा डि गगद
वात्र ॥ **क** ॥ **द** ॥ दि (गर्व) डा व वि अरु (ग) १ ग ग हा डि व
सा अ य व रु द्वा व ॥ **क** ॥ य व न टा व अ शि व, उ क क व र्व
अ १ वि व वि न क न ना दा व क मि डा ॥ ३२ ॥ वा ग र व
वी गंगा ज मु नि ॥ वि नि वा य न, व उ व व क वि द्वा वा १ व वि
हा मि वा यि या वा यो व थ वात्र ॥ **क** ॥ हा म हा म क रे या

हा म न हा वी मा ला १ वा ग (व) व मा रु न, अ दि व क दि व
॥ **क** ॥ वा म द दि हा क न रु वा या णी १ क शि व डा न व, आ
रु नि दि या व ॥ **क** ॥ य हा द ६ ड या शि व ४ व ज, व ज य व
न द न, वि स र्ग व व व ॥ **क** ॥ क र्ण या वा व न, अ र न
स म य १ क व रु य नि रु म रु स हा म ॥ ३३ ॥ वा ग र व
। गंगा ज मु ना ॥ य र्य य र्य वा क, लि, स य व स हा क व, उ

[illegible][illegible]

भासा वज्रवाक्का हा आलि गागा ॥ ५॥ ॥ हं हं हं हं हं हं
लना मायसस्य सा भविष्य १ ह न्य आलि गदा क्य न्य
अद्वयसता वं नावयि सस्य याया ॥ ५॥ ॥ कृति स घ व ग
जवर्म गि हर वा काय गि ज न व ह न ह म रि ना १ मा भय वि
न का या व र व द्वा र्मी या हा य व ह व द्वा र्मी य ह न ॥ ५॥ ॥ य व
जिन व र म क ट आ ह र्मी क न व उ म ड आ रा ल न रु धि ता १ आ
लि का लि द्धि आ लि र वा य चि वा य व र्मा नि वा स न रु द्ध न

न ॥ ५॥ ॥ न व हिल मा वा स म ह्री स म य दि य व द्धि नि नि य
वृ ह दि या १ ज व र म उ र्मा मा य उ र्मा य चि स व ह म ग व नि य व मा
दि व ड गी ता ॥ १५ ॥ वा ग वि ता स ॥ गि द ल क म य व न क स म य
सं ग म य क य र व द्धि वि ह १ ह्री वि य या द्धि य व र म म र व द्धि
म द र मा य वा यि ता ॥ ५॥ ॥ न म म नि न वा ता गि रु व न मा ता व
कु वा य वी ह्री म ग र ल १ ह य व र म स व र व न्दि न व र व ह अन ग
य दि सि दि व ल य द्धि ता ॥ ५॥ ॥ व न्दि न व र व न्दि न व र व न्दि न व र व

समयालिजातवन २ विष्णुगंगाममवागमनितीत् अन्नग
गाथसुद्धव न ॥ १ ॥ अथ रौत्रवज्र वृजागाद्यादवी
अन्नगदवासुवद्ध गुयात्ता १ अथ मदारयद्वितानिचः
वात्रव अन्नगद्वामिचवात्रव ॥ १ ॥ विष्णुवाचितताः
वृक्षादवी अथयनिचजनजातिमय १ अन्निमतसुखरुः
लदायादिदवी अथमज्जवमउ इयायसवनागति ॥ १ ॥
वागमधूमत ॥ तालद्वि ॥ अथ ॥ वज्रध्वजयैववृद्ध मुनिव

ववाय गजमासनयुयसम् दा १ मधुलसुवसंयाथना सा
अलिखमिवतावसावसम ॥ १ ॥ ॥ ॥ अथतवज्रमयचक्रद्वंम
दासधुलसुवयातयामि १ सिद्धासनमिक्तय दूतनुदति
अन्निमतसुखरुः लदायनी ॥ १ ॥ अथतवकपीतव दूतद्वि
वववदकात्र अथमवृटविजित १ मदासधुलसहविसुवसा
यद्वं आलालिकद्विमिद्विमिद्वि ॥ १ ॥ धर्मवज्रवक